AF-2038

B.A. (Part - I)
Term End Examination, 2017-18

Paper - II

Hindi Literature

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

इकाई-I

1. संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) नाटक उस समय पास होता है, जब रसिक समाज उसे पसंद कर लेता है, बारात का नाटक उस वक्त पास होता है, जब राह चलता

आदमी उसे पसन्द कर लेता है। नाटक की परीक्षा चार-पाँच घण्टे तक होती रहती है, बारात की परीक्षा के लिए केवल कुछ मिनटों का समय होता है। सारी सजावट, सारी दौड़-धूप और तैयारी का निपटारा पाँच मिनट में ही हो जाता है। अगर सबके मुँह से वाह-वाह निकल गया तो तमाशा पास, नहीं फेल; रुपया, मेहनत, फिक्र सब अकारथ।

अथवा

मानव जीवन की सबसे महान घटना कितनी शांति के साथ घटित हो जाती है। वह विश्व का एक महान अंश, वह महत्वाकांक्षाओं का प्रचंड सागर, वह उद्योग का अनंत भंडार, वह प्रेम और द्वैष, सुख और दु:ख का लीला क्षेत्र, वह बुद्धि और बल की रंगभूमि न जाने कहाँ लीन हो जाती है, किसी को खबर नहीं होती। एक हिचकी भी नहीं, एक उच्छवास भी नहीं, एक आह भी नहीं निकलती! ..... कितना महान परिवर्तन है।

(ख) चम्पा! मैं ईश्वर को नहीं मानता, मैं पाप को नहीं मानता, मैं दया नहीं समझ सकता, मैं

(3)

उस लोक में विश्वास नहीं करता। पर मुझे अपने हृदय के एक दुर्बल अंश पर श्रद्धा हो चली है। तुम न जाने कैसे एक बहकी हुई तारिका के समान मेरे शून्य में उदित हो गई हो। आलोक की एक कोमल रेखा इस निबिड़ तम में मुस्कराने लगी। पशु बल और धन के उपासक के मन में किसी शान्त और कान्त कामना की हँसी खिलखिलाने लगी; पर मैं न हँस सका।

अथवा

वह पर्दा ही तो घर भर की औरतों के शरीर का वस्त्र था। उनके शरीर पर बचे चीथड़े उनके एक तिहाई अंग ढकने में भी असमर्थ थे। भय से चीख कर ओट में हो जाने के लिए भागती हुई औरतों पर दया कर भीड़ छँट गई। चौधरी बेसुध पड़े थे। जब होश आया, ड्योढ़ी का पर्दा आँगन में सामने पड़ा था, परन्तु उसे उठाकर फिर से लटका देने की सामर्थ्य उनमें शेष नहीं थी। शायद अब इसकी आवश्यकता भी न थी। पर्दा जिस भावना का अवलम्ब था, वह मर चुकी थी।

(ग) दोनों एक दूसरे के मन की बात ताड़ रहे थे। बाजार में इधर-उधर घूमते रहे। कभी इस बाजार की दुकान पर गये, कभी उसकी दुकान पर। तरह-तरह के कपड़े, रेशमी, सूती देखे, मगर कुछ जँचा नहीं। यहाँ तक की शाम हो गयी। तब दोनों न जाने किस दैवी प्रेरणा से एक मधुशाला के सामने आ पहुँचे और जैसे किसी पूर्व-निश्चित अवस्था से अन्दर चले गये। यहाँ जरा देर तक दोनों असमंजस में खड़े रहे, फिर घीसू ने गद्दी के सामने जाकर कहा, साहूजी, एक बोतल हमें भी देना।

अथवा

'क्यों?' गदल ने कहा - 'तू रोकेगा?' अरे मेरे श्वास पेट के जाये मुझे रोक न पाए। अब क्या है? जिसे नीचा दिखाना चाहती थी, वही न रहा और तू मुझे रोकनेवाला है कौन? अपने मन से आई थी, रहूँगी, नहीं रहूँगी, कौन तूने मेरा मोल दिया है। इतना बोल तो भी लिया। तू जो होता मेरे उस घर में, तो जीभ कढ़वा लेती तेरी।

इकाई-II

2. उपन्यास के तत्त्वों के आधार पर 'गबन' उपन्यास की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

जालपा का चरित्र चित्रण कीजिए।

इकाई-III

3. हिन्दी कहानी के उद्‌भव और विकास पर एक सारगर्भित निबंध लिखिए। 10

अथवा

'आकाशदीप' कहानी की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'चीफ की दावत' कहानी के पात्रों का चरित्र चित्रण कीजिए।

इकाई-IV

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 15

(क) गबन के नामकरण की सार्थकता।

(ख) उपेन्द्रनाथ अश्क की कहानी कला।

(ग) बालशौरि रेड्डी की रचनाधर्मिता।

(घ) फणीश्वरनाथ रेणु—एक आँचलिक कथाकार।

(ङ) 'चीफ की दावत' कहानी का उद्देश्य।

(च) 'परदा' कहानी का मूल भाव।

इकाई-V

5. किन्हीं **दस** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(क) प्रेमचंद के दो उपन्यासों के नाम लिखिए।

(ख) आपके पाठ्यक्रम में कितनी कहानियाँ संकलित हैं ?

(ग) जलपा किस रचना की पात्र है ?

(घ) 'बिरादरी बाहर' के लेखक कौन हैं ?

(ङ) उपन्यास की समीक्षा के तत्व कौन से हैं ?

(च) घीसू और माधव किस कहानी के पात्र हैं ?

(छ) आपके पाठ्यक्रम में संकलित आंचलिक रचनाकार का नाम लिखिए।

(ज) शामनाथ किस कहानी का प्रमुख पात्र है ?

(झ) हिन्दी में लिखने वाले दक्षिण भारतीय रचनाकार का नाम लिखिए।

(ञ) शिवानी के दो प्रमुख उपन्यासों का नाम लिखिए।

(ट) प्रेमचंद का वास्तविक नाम क्या था?

(ठ) 'गबन' उपन्यास की प्रमुख समस्या क्या है?

(ड) हिन्दी के प्रथम उपन्यास का नाम लिखिए।

(ढ) पारस बाबू किस कहानी का पात्र है?

(ण) देवीदीन किस रचना का पात्र है?

———